<u>भारतीय विमानपत्त'न प्राधिकरण</u>

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भारतीय विमानपत्त्न प्राधिकरण (भा.वि.प्रा.) के विमान दिक्चा लन सेवाएं (ए एन एस) निदेशालय को प्रतिष्ठित ''वर्ष 2015 के लिए नवप्रवर्तन उत्पानद/सेवा हेतु गोल्डवन पिकॉक अवार्ड'' प्रदान किया गया ।

नई दिल्लीक, 23 अप्रैल 2015: कंपनी निदेशकों के अंतर्राष्ट्रीतय निकाय, इंस्टी ट्यूट ऑफ डायरेक्टीर्स द्वारा भारतीय विमानपत्तअन प्राधिकरण के विमान दिक्चादलन सेवाएं (ए एन एस) निदेशालय को प्रतिष्ठित ''वर्ष 2015 के लिए नवप्रवर्तन उत्पावद/सेवा हेतु गोल्डकन पिकॉक अवार्ड'' प्रदान किया गया । भाविप्रा के बोर्ड सदस्यि (ए एन एस) श्री वी. सोमासुन्द रम ने दिनांक 20 अप्रैल 2015 को दुबई में आयोजित पुरस्कांर समारोह में यह पुरस्का्र यू.ए.ई. सरकार के संस्कृ5ति, युवा एवं सामाजिक विकास मंत्री, महाराजा शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान से ग्रहण किया ।

एक स्वनतंत्र जूरी द्वारा भाविप्रा को यह पुरस्का र ग्राहक आवश्य,कताओं को पूरा करने हेतु ए एन एस अवसंरचना के निरंतर आधुनिकीकरण के लक्ष्य के मूल्यां□कन तथा विमान दिक्चाअलन सेवाओं के संरक्षित, दक्षतापूर्ण तथा लागत प्रभावित प्रबंधन एवं प्रचालन के आधार पर दिया गया । संरक्षा तथा सेवा दो ऐसे शब्दु हैं जोकि भारतीय विमानपत्तधन प्राधिकरण में साथ-साथ चलते हैं तथा जिन्हों□ने अतिरक्ति राडार, उन्न्त सतह संचलन निर्देशन एवं नियंत्रण प्रणाली (ए एस एम जी सी एस), स्वपचालित आधारित निगरानी-प्रसारण (ए डी एस-बी) स्टेिशन, डाटा लिंक संचार एवं उपग्रह आधारित दिक्चामलन प्रणाली (एस वी ए एस) आदि के कार्यान्वएयन द्वारा महत्वटपूर्ण संचार, दिक्चागलन, निगरानी-विमान यातायात प्रबंधन (सी एन एस- एटी एम) अवसंरचना सुधार किए हैं, ताकि संरक्षा पर निरंतर ध्याबन देने के साथ वृहत स्तीर पर विमान प्रचालनों की प्रचालन दक्षता को पूरा किया जा सके ।

भाविप्रा विमान यातायात प्रवाह प्रबंधक (ए टी एफ एम) प्रणाली को भी क्रियान्वित कर रहा है ताकि बढ़ी हुई संरक्षा और दक्षता के साथ भविष्यए में विमान यातयात की मांग और क्षमता को संतुलित बनाया जा सके ।

जूरी में विशिष्टत व्याक्ति शामिल थे तथा उसके अध्यमक्ष भारत के उच्चमतम न्या यालय के पूर्व न्यािधीश तथा भारतीय प्रतिस्पार्धा अपील अधिकरण तथा एडवांस रूलिंग अथॉरिटी

(सीमाशुल्कष, केन्द्रीय उत्पाधद शुल्क एवं सेवाकर) के अध्य क्ष जस्टिस (डॉ.) अरिजीत पासायत थे ।
नवप्रवर्तन उत्पाद/सेवा के लिए गोल्डपन पिकॉक अवार्ड प्रति वर्ष दिया जाता है ।

नेतृत्व् विकास द्वारा व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को सुधारने के उद्देश्यज को पूरा करने के लिए इंस्टीवट्यूट ऑफ डायरेक्टवर्स द्वारा गोल्ड न पिकॉक अवार्ड शुरू किया गया ताकि गुणवत्ताे, नवप्रवर्तन, प्रशिक्षण, शासन, पर्यावरण प्रबंधन तथा निगमित सामाजिक दायित्वि के क्षेत्रों में निगमित उत्कृटष्ट्ता को बढ़ावा दिया जा सके ।

श्री आर.के. श्रीवास्त्व, भा.प्र.से., अध्यवक्ष, भाविप्रा, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टीर्स द्वारा भारतीय विमानपत्तकन प्राधिकरण को प्रदान किए गए वर्ष 2015 का नवप्रवर्तन उत्पा द/सेवा के लिए गोल्डपन पिकॉक अवार्ड ग्रहण करते हुए । श्री वी. सोमसुंदरम, सदस्या (ए एन एस), भाविप्रा द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2015 को दुबई में आयोजित शानदार पुरस्कार समारोह में

पुरस्काार प्राप्तप किया गया । चित्र में भाविप्रा के अन्य वरिष्ठर अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं ।

.....

जनसम्प.र्क विभाग द्वारा जारी
अधिक जानकारी के लिए
कृपया संपर्क करें:
महाप्रबंधक (ज.सं.) 9810025069,
011-24622787
सं. 05/2015-16

भारतीय विमानपत्त0न प्राधिकरण के बारे में:

भारतीय विमानपत्त0न प्राधिकरण (भाविप्रा) का गठन संसद के एक अधिनियम द्वारा किया गया तथा दिनांक 1 अप्रैल, 1995 को पूर्ववर्ती राष्ट्री.य विमानपत्तैन प्राधिकरण तथा अंतर्राष्ट्रीपय विमानपत्तंन प्राधिकरण के विलय से यह अस्तित्वत में आया । इस विलय के द्वारा एक ऐसा संगठन अस्तित्वि में आया जिस पर देश के भूमि तथा वायु क्षेत्र पर नागर विमानन अवसंरचना के निर्माण, उन्नआयन, अनुरक्षण तथा प्रबंधन का दायित्व है । भाविप्रा 125 हवाई अड्डों का प्रबंधन करता है, जिसमें 18 अंतर्राष्ट्री□य हवाईअड्डे, 07 कस्ट1म हवाईअड्डे, 78 घरेलू हवाईअड्डे तथा डिफेंस एयरफील्डअ पर 26 सिविल एन्लेन□□□व शामिल हैं । नागरिक प्रचालन के लिए विमान यातायात सेवाएं एकमात्र राज्य स्वाहमित्व वाले भारतीय विमानपत्त न प्राधिकरण (भाविप्रा) द्वारा प्रदान की जाती हैं ।

भाविप्रा के पास दो दायित्वम हैं जिसमें एक विमान दिक्चातलन सेवा प्रदाता के रूप में तथा दूसरा पूरे भारत में 125 हवाईअड्डों के प्रचालक के रूप में हैं, हालांकि इसमें से 50 हवाईअड्डे निष्क्रिय हैं । साथ ही 5 हवाईअड्डे जिन पर कुल यातायात का 50 % से अधिक

आता है, निजी प्रचालकों द्वारा चलाए किए जा रहे हैं हालांकि भाविप्रा इस पर विमान दिक्चा्लन सेवाएं प्रदान करता है ।

भारतीय सिविल वायुक्षेत्र अंतर्राष्ट्री य नागर विमानन संगठन (आई सी ए ओ) द्वारा निर्धारित किया गया है जोकि पूर्व में क्वा लालंपुर तथा यांगून से पश्चिम में पाकिस्ताेन तथा मस्कतट तक 9.64 मिलियन वर्ग कि.मी. में फैला हुआ है जिसमें उपमहाद्वीपीय वायु क्षेत्र (3.63 मिलियन वर्ग कि.मी.) सीमांतर्गत जलक्षेत्र के ऊपर का वायुक्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्री□य सामुद्रिक वायुक्षेत्र (6.01 मिलियन वर्ग कि.मी.) शामिल है ।

भारतीय वायुक्षेत्र का 60 % अरब सागर, बंगाल की खाड़ी तथा हिंद महासागर के सागरीय वायुक्षेत्र पर है । वायुक्षेत्र को चार प्राथमिक विमान सूचना क्षेत्रों (एफ आई आर) दिल्लीव, मुंबई, चेन्नाई और कोलकाता में बांटा गया है जिसमें एक उप- एफ आई आर गुवाहाटी में है ।

एन्ले्षे□व को छोड़कर सभी भारतीय हवाईअड्डों सिविल पर तथा ऊपर उल्लिखित वायुक्षेत्र में वार्षिक 2 मिलियन से अधिक विमान यातायात संचलनों को विमान दिक्चातलन सेवाएं उपलब्धक कराई जाती हैं ।